

9, 39. नुधितै (nach dem gaṇa तारकादि zu P. 5, 2, 36 von नुध् Hunger)
hungrig AK. 3, 1, 20. H. 392. KĀND. Up. 5, 24, 5. MBh. 1, 1093. 1958. 6728.
 3, 2373. 2755. R. 3, 16, 24. 4, 51, 3. 5, 56, 56. Suçr. 1, 372, 17. 2, 147, 19.
 Rāgh. 2, 39.

— वि dass.: व्यनुध्यन् TBa. 2, 2, 3, 3. 11, 5.

2. नुध् f. *Hunger* Naigh. 2, 7 (= अन्ननामन्). AK. 2, 9, 54. H. 1372. H.
 c. 94. Hār. 141. RV. 7, 1, 19. यवैन् नुधं (तेरम्) 10, 42, 10. न वा उं देवाः
 नुधिमद्वयं देदुः 117, 1. VS. 30, 18. AV. 4, 7, 3. नुधश्च सर्वास्तृष्णाश्च 11, 8,
 21. Çat. Br. 9, 1, 2, 5. TS. 1, 6, 3, 4. 5, 4, 2. अथ नुधं नुदतामरातिम् TBa.
 3, 1, 1, 14. सीदति नुधा M. 7, 134. 11, 21. अयसीदन् 4, 187. संसीदन् 33, 34.
 7, 133. नुद्याधिपीडित 4, 67. नुत्क्षोपपीडित 8, 67. पीड्यमानः नुधा N. 9,
 11. नुत्पिपासापरिभ्रान्त SUND. 1, 8. नुत्पर (so zu lesen) MBh. 13, 4463. नु-
 त्पिपासा° Suçr. 1, 4, 11. नुत्तृम° 229, 9. नुत्क्षे — यस्य न शान्यतः 117,
 3. नुत्प्रतीकारमाचरन् M. 10, 105. युष्माकं च नुत्प्रणाशं करोमि PAÑKĀT.
 87, 19. नुद्गमात्परलोके प्रस्थितस्य 70, 13. तवेदानीं नुत्क्षे च न वत्स्यति
 Vid. 248. नुन्मे वलवती वाता MĀRK. P. 8, 35. — Vgl. अनुध्.

नुधा (von 1. oder 2. नुध् f. 1) dass. H. c. 94. नुधया पीड्यमानः N. 9,
 12. परिपीड्यते PAÑKĀT. 88, 4. नुधाशान्ति BHARTṢ. 2, 23. नुधार्दित Hip. 2,
 3. नुधार्त 5. M. 10, 107. 18. नुधातुर Gār. P. 116 im ÇKDr. नुधाकर DHŪR-
 TAS. 90, 11. — 2) myst. Bez. des Buchstabens प Ind. St. 2, 316.

नुधाकुशल (नुधा + कु°) m. N. eines Baumes (वित्वात्तरवृत्त) RĀGĀN.
 im ÇKDr.

नुधाभिन्नन (नुधा + अभि°) m. schwarzer Senf (*Hunger erzeugend*)
 AK. 2, 9, 19. — Vgl. नुताभिन्नन.

नुधामारं (नुधा, instr. von नुध्, + मार) m. *Hungertod* AV. 4, 17, 6. 7.

नुधालु (von नुधा) adj. *hungrig* PAÑKĀT. 88, 21.

नुधुन m. N. eines barbarischen Volkes (स्त्रेच्छाति) Up. 3, 55.

नुध्य (von नुध्) s. अनुध्य.

नुप् eine Sautra-Wurzel mit der Bed. अयसादन oder साद West.

नुप 1) *Stauende, Busch*, m. AK. 2, 4, 1, 8. H. 1117. गुल्मगुच्छनुपलताप्र-
 तानोपधिवीरुधाम् JĀGĀN. 2, 229. सवृत्तनुपलतः (गिरिः) MBh. 1, 6543. Hip.
 1, 18. नुपा f.: काकादन्धा समो नुपाम् Suçr. 1, 171, 20. Unbestimmt ob
 m. oder f. 167, 10. MBh. 3, 12449. R. 2, 23, 7. Vgl. नुम्प. — 2) m. N. pr.
 eines alten Königs, eines Sohnes von Prasaṃdhi und Vaters von Ik-
 shvāku MBh. 14, 66. 2, 323. 13, 5669. 7682. — N. pr. eines Sohnes des
 Kṛṣṇa von der Satjabhāmā HARIV. 9183 (LANGLOIS: कृप). — 3) m.
 N. pr. eines Berges im Westen von Dvārakā HARIV. 8950 (LANGLOIS:
 अलप).

नुपक (von नुप) m. f. *Stauende, Busch*: अयसमूलः नुपको यदुत्पादने
 सुखः Suçr. 1, 88, 10. अरुलिमात्रनुपका 2, 172, 5.

नुपेडोडुर्माष्ट (नुप + डो°) m. N. einer Pflanze (s. विषमुष्टि) RĀGĀN. im
 ÇKDr.

नुपालु (नुप + आलु) m. eine best. Art Knollengewächs (पानीपालु)
 RĀGĀN. im ÇKDr.

नुब्ध (von नुम् 1) adj. s. u. नुम्. — 2) m. a) *Butterstössel* P. 7, 2, 18.
 Vop. 26, 111. H. 1023. — b) eine Art coitus: पार्श्वोपरि पैदा कृत्वा योनौ
 लिङ्गिन ताडयेत्। बाङ्गयो धारणां गाढं बन्धो वै नुब्धसंज्ञकः॥ RATIM. im
 ÇKDr.

1. नुम् नोभते, नुम्भयति (auch नुम्भयते) und नुम्भति (P. 8, 4, 39; aber im-
 per. नुम्भाणि SIDDH. K. zu d. St.) DRAUP. 18, 12. 26, 129. 31, 47. *agitari*,
schwanken, zittern, in Bewegung —, in Aufregung gerathen; eig. (von
 Flüssigen) und übertr.: यदेतदादित्यस्य मध्ये नोभत इव KĀND. Up. 3, 3,
 3. न हि नुम्भयति दुर्धर्यः समुद्रः R. 2, 34, 45. नुम्भयति तोषाशयाः DHŪRTAS.
 74, 4. यथा दतिः नुम्भयति कम्पते च Suçr. 1, 277, 2. 290, 3. नुम्भयमाण 97,
 21. नुम्भते Nir. 3, 16. नात्यर्थं नुम्भते वाला गङ्गेव जलदागमे R. 5, 19, 30.
 महाद्द इव नुम्भयन् (रावणाः) BHATT. 9, 118. विश्वसृग्गणः। चुनोम BHĀG.
 P. 3, 6, 5. नुम्भयसि भित्तुकि MBh. 1, 3289. न चुनोमे तदा धैर्यान्न चचाल धृत-
 त्रतः 6675. चुनोमे द्विपता मनः RAGH. 4, 21. नुम्भयति प्रसभमहे विनापि हे-
 तोर्लोलाभिः किम् सति कारणे रमायः Çiç. 8, 24. नानुभाद्रान्नसः BHATT.
 17, 90. नार्यश्चुनुभिरे 14, 6. नापि चानुभत् (कुम्भकर्णाः) 13, 38. भानुरप्यपति-
 प्यत्त्मानोभिष्यत चेदियम् wenn diese wanken, stracheln (in moral.
 Sinne) würde 21, 6. — partic. नुब्ध (sellen) und नुभित in *Bewegung —*,
in Aufregung gerathen: नुब्धतोयाः (नयः) MBh. 3, 12544. अध्येः नुब्धता
 BHARTṢ. 3, 94. नुब्धो राज्ञा SIDDH. K. zu P. 7, 2, 13. नुब्धचित Suçr. 2, 147,
 19. नुब्धमन्स 134, 13. सागराः नुभिताः सर्वे R. 1, 63, 12. 5, 93, 22. 6, 87,
 2. Suçr. 1, 112, 4. यदिदं नुभितं स्थानान्मम तेनो ह्यनुभतम्। धारयिष्यति
 कस्तत् R. 1, 37, 15. 16. इम इव पवनावधूतमूर्तिः नुभिततनुर्हनुमान्कृतस्तदा
 5, 36, 77. नुभितविकृग VIKR. 113. नुभिताः पुररनिषाः KATBĀS. 13, 26. नु-
 भितेन्द्रिय R. 4, 8, 45. रावणाः नुभिताकारः 5, 41, 1. नुभितहृदय PAÑKĀT. 21,
 3. 36, 19. 162, 13. — caus. in *Bewegung versetzen, zum Schwanken brin-
 gen, aufregen*: समुद्रं नोभयामास R. 1, 1, 77. 16, 23. 43, 44. 4, 43, 13. 5, 3,
 57. 93, 9. 6, 4, 10. MBh. 1, 1143. Suçr. 2, 429, 1. Çiç. 9, 38. नोभयामाणा म-
 हावतिः सा नौः MATSJO. 42. (कदलीखण्डम्) नोभयिष्यन् MBh. 3, 11120.
 गिरिः नोभितः R. 5, 34, 12. चम् भीमो नोभयामास सायकैः 6, 78, 1. वानरान्
 4, 43, 14. तौ (विष्यप्रूडौ) हि व्युतौ स्वकर्मभ्यः नोभयेतामिदं जगत् M. 8,
 418. प्रकृतिं पुरुषं चैव नोभयिवा स्वतेजसा। ब्रह्माणमसृजत् MBh. 13, 593.
 नोभिता योनिः Suçr. 2, 397, 2. सुहृद्भिः नोभयमाणो (angetrieben) वै नैवा-
 मुञ्चत तो तदा MBh. 13, 7256. Auch med.: विघ्नार्थं तस्य तपसः नोभयस्व
 तम् (मुनिम्) BRAHMA-P. in LA. 51, 3. MĀRK. P. 1, 40.

— प्र in *Bewegung —, in Schwanken —, in Aufregung gerathen*:
 सागरश्च प्रचुनुमे R. 6, 87, 15. प्रचुनुमे वलं सर्वमुद्धत इव सागरः MBh. 4,
 1835. प्रानुभन्कुलपर्वताः BHATT. 13, 25. तस्य (राज्ञः) प्रनुभ्यते राष्ट्रम् M.
 9, 254. प्रचाडानिलप्रनुभ्यत्कारिन् (Elephant) PRAB. 3, 15. — caus. in *Auf-
 regung versetzen*: धातून् Suçr. 2, 427, 10.

— संप्र in *Bewegung —, in Aufregung gerathen*: तस्मिन्निपतिते भूमौ
 तत्सैन्यं संप्रचुनुमे R. 6, 78, 24. समूहमिव त्रैलोक्यं संप्रनुभितमानसम् 1,
 63, 14.

— वि in *Bewegung —, in Aufregung —, in Unordnung gerathen*:
 अम्भोधयः आसकृता विचुनुमुः BHĀG. P. 7, 8, 32. यदाशोषा वर्तते मे विचुनुमे
 AV. 7, 37, 1. अविनुब्ध nicht aus der Ordnung gebracht: यज्ञ Çat. Br. 1,
 1, 2, 2. 4, 5, 1. 7, 1, 15. mit Bed. des caus. verwirren, perturbare: ईश्वरः कुलं
 विनोब्धोः ebend. 1, 1, 2, 22. 2, 4, 1, 14. — caus. in *Bewegung versetzen*,
 zum Schwanken bringen, aufregen: विनोभयन्सरः MBh. 1, 1366. विनोभि-
 तजल 1216. 13, 1697. व्यनोभयत सलिलम् 7283. विनोभ्य हरिवाकिनीम्
 R. 5, 79, 8. 78, 6. 6, 13, 24. DRAUP. 7, 19. MBh. 3, 685. व्यनोभयेतां तौ सै-
 न्यम् 1, 5484. विनोभ्येन्द्रियचेतांसि Suçr. 1, 192, 1.